# सत्र 2020—21 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम (नियमित परीक्षार्थियों हेतु) बी.पी.ए. तृतीय वर्ष

तबला प्रथम प्रश्न पत्र संगीत का विज्ञान (Science of Music)

समयः ३ घण्टे

अंक योजना					
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम		
			उत्तीर्णांक		
20	80	100	33%		

#### इकाई-1

- 1. ख्याल, ध्रुपद, धमार, ठुमरो, टप्पा एवं तराना गायन शेलियों का सामान्य ज्ञान तथा इनके साथ बजाये जाने वाले तालों का परिचय।
- 2. पखावज एवं तबल की वादन पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

#### इकाई-2

- 1. उत्तर भारतीय संगीत में स्वर एवं घन वाद्यों को उपयोगिता एवं महत्व का अध्ययन
- 2. तबला वादक के गुण-दोषों का अध्ययन।

#### इकाई-3

- 1. तबले के बनारस एवं पंजाब घराने की वादन शेली का अध्ययन।
- 2. तबला वादन में प्रयुक्त विस्तार"गिल एवं अविस्ताषील रचनाओं का विस्तृत सोदाहरण विवेचन।

## इकाई-4

- 1. प्राचीन मार्ग ताल पद्धति का सामान्य अध्ययन।
- 2. शास्त्रीय गायन प्रकारों के साथ तबला संगति का विस्तृत अध्ययन।

# इकाई–5

- 1. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लेखन।
- निम्नलिखित वरिष्ठ तबला वादकों का जीवन परिचय।
  लाला भवानीदीन, पं. कंठे महाराज, पं. अनोखेलाल, पं. सामता प्रसाद (गुदई महाराज),
  पं. किषन महाराज, उस्ताद अल्लारक्खा खाँ, उस्ताद ज़ाकिर हुसन।

# सत्र 2020—21 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम बी.पी.ए. तृतीय वर्ष

#### तबला

## द्वितीय प्रश्न पत्र भारतीय संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

(Applied Principles of Indian Music)

समयः ३ घण्टे

अंक योजना					
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक		
20	80	100	33%		

#### इकाई-1

- जय, शिखर एवं मत्त तालों का परिचय तथा इन तालों के ठेके ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लय में लिपिबद्ध करना।
- 2. एकताल एवं आडाचौताल में एक—एक कायदा चार पल्टों एवं तिहाई सहित ताललिपि में लिपिबद्ध करना।

#### इकाई-2

- 1. उठान, फर्द, गत एवं गत के प्रकारों का सोदाहरण अध्ययन।
- विषम लयकारियों का परिचय व विभिन्न तालों को उक्त लयकारियों में लिपिबद्ध करना। (पौन गुन, सवागुन, डेढगुन, पौने दो गुन)

#### इकाई-3

- 1. एकताल एवं आडाचौताल में मुखडे, टुकडे एवं तिहाईयों को ताललिपि में लिपिबद्ध करना।
- 2. झपताल एवं रूपक तालों में पेषकार को विस्तार सहित लिपिबद्ध करना।

## इकाई–4

- 1. तिहाई रचना के सिद्धांतों का अध्ययन।
- 2. विषम मात्रिक तालों में सम से सम तक तिहाईयाँ लिपिबद्ध करना।

## इकाई-5

- 1. दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल में तिहाईयाँ लिपिबद्ध करना।
- 2. किसी ताल के ठेके को किसी अन्य ताल में सम से सम तक समायोजित करने का अभ्यास।

# सत्र 2020–21 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम (नियमित परीक्षार्थियों हेतु) बी.पी.ए. तृतीय वर्ष प्रायोगिक

#### तबला वादन की तकनीक (Technique of Tabla Playing)

## प्रदर्शन एवं मौखिक (Demonstration and Viva)

अंक योजना					
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक		
20	80	100	33%		

- 1. पिछले पाठ्यक्रमों के तालों सिहत जय, षिखर एवं मत्त तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में हाथ से ताली देकर पढ़ना तथा तबले पर बजाना।
- 2. बनारस एवं पंजाब घरानों के प्रमुख बोल समूहों एवं रचना प्रकारों का वादन।
- 3. एकताल एवं आडाचौताल के कायदे को न्यूनतम दो—दो पल्टों एवं तिहाई सहित हाथ से ताली देकर पढना।
- 4. उप षास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त ताला के ठेकों का वादन। (पष्तो, अद्धा, दीपचन्दी, पंजाबी)
- 5. शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेकों को अपेक्षित लय (विलंबित / दूत) में बजाना।
- 6. एकताल एवं आडाचौताल तालों में पेषकार, कायदे, रेले, चक्रदार, टुकडे, परन आदि का विस्तार सहित एकल वादन करने की क्षमता।

# बी.पी.ए. तृतीय वर्ष तबला वादन की तकनीक (Technique of Tabla Playing) मंच प्रदर्शन (Stage Performance)

अंक योजना					
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक		
20	80	100	33%		

- 1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष त्रिताल, झपताल, रूपक ताल में लहरे के साथ वादन। (10 मिनिट)
- 2. परीक्षक द्वारा पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों में से किन्हीं चार तालों के ठेकों का अपेक्षित लय में वादन।
- 3. तबला वाद्य को अपेक्षित स्वर में मिलाने का ज्ञान।

## //संदर्भित पुस्तकें//

1. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव 2. ताल वाद्य शास्त्र : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे

3. पखावज एवं तबला के घराने : डॉ. अबान मिस्त्री

एवं परम्पराएँ

4. तबला पुराण:पं. विजय शंकर मिश्र5. ताल वाद्य शास्त्र:डॉ. एम. बी. मराठे6. ताल वाद्य परिचय:डॉ. जमुना प्रसाद पटेल